

प्रधानमंत्री ने किया कृषि उन्नति मेले 2018 को संबोधित

पूसा संस्थान में प्रति वर्ष आयोजित होने वाले कृषि उन्नति मेले को इस बार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिनांक 17 मार्च 2018 को संबोधित कर कार्यक्रम का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह जी, कृषि राज्य मंत्री माननीय श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी, श्रीमती कृष्णा राज जी एवं श्री परशोत्तम रुपाला जी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री श्री कोनराड के. संगमा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 25 नए केवीके का ऑनलाइन शिलान्यास किया। समारोह में कृषि कर्मण पुरस्कार और पंडित दीं दयाल उपाध्याय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार भी वितरित किये गये।

प्रधानमंत्री जी ने बताया किसानों को नवीन कृषि प्रोद्योगिकियों, सूचना प्रोद्योगिकी जैसे वेबसाइट, पोर्टल फोन सेवाओं व कृषि एसएमएस आदि के साथ जुड़ना चाहिये ताकि नए तरीक से खेती करके अधिक लाभ अर्जित कर सकें। वर्ष २०२२ तक कृषि आय को दुगुना करने के लिये किसानों व वैज्ञानिकों को जैविक खेती, वैल्यू एडिशन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, सोलर फार्मिंग, एकीकृत कृषि प्रणाली आदि पर बल देने का आह्वान किया। मधुमक्खी की उपयोगिता को महत्व देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये कृषि और मानवजाति के स्थायित्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह लघु एवं सीमान्त किसानों के लिए अच्छे व्यवसाय का साधन बन सकती हैं। मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त और भी कई मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाए जा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने फसल अवशेष (पराली) जलाने से होने वाले नुकसानों के बारे बताते हुये कहा की पराली को ना जलाएँ, इसे खेत में ही मिलाएँ। वेस्ट से वेल्थ बनाने के लिए सरकार की गोवर्धन योजना के बारे में बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा की प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुये हमें कृषि आय बढ़ानी है। उन्होंने मेड पर बांस की खेती और पाम आयल की खेती करके इनके आयत पर होने वाले खर्च को कम करने हेतु योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को फसल की लागत का 1.5 गुना रखने की बात कही और बताया की केंद्र सरकार राज्य सरकारों को भी इस योजना का लाभ देगी जिससे किसानों की आय में वृद्धि की जा सके।

उन्होंने किसानों को सुझाव दिया की मेले में केंद्र एवं राज्य सरकारों, विभिन्न संस्थाओं द्वारा 800 से अधिक स्टाल व थीम पवेलियन लगाये हैं जिनमे सूक्ष्म सिंचाई, नीम कोटेड यूरिया, साइल हेल्थ कार्ड एवं कम लागत से बेहतर कृषि सम्बन्धी जानकारी दी गयी है, उनको देख कर सीखें, और अधिकाधिक लाभ लें। इनके अतिरिक्त सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी किसानों की प्रधानमंत्री जी ने बताते हुए इनका अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए बताया।

इस तरह के मेले देश के अन्य भागों में लगाने का सुझाव देकर प्रधानमंत्री ने कहा की इन मेलों का इम्पेक्ट एनालिसिस (प्रभाव विश्लेषण) करके इनको भविष्य में और अधिक किसानपरक बनाया जाना चाहिए।